VITALI BIANKI   विटाली बियांकी

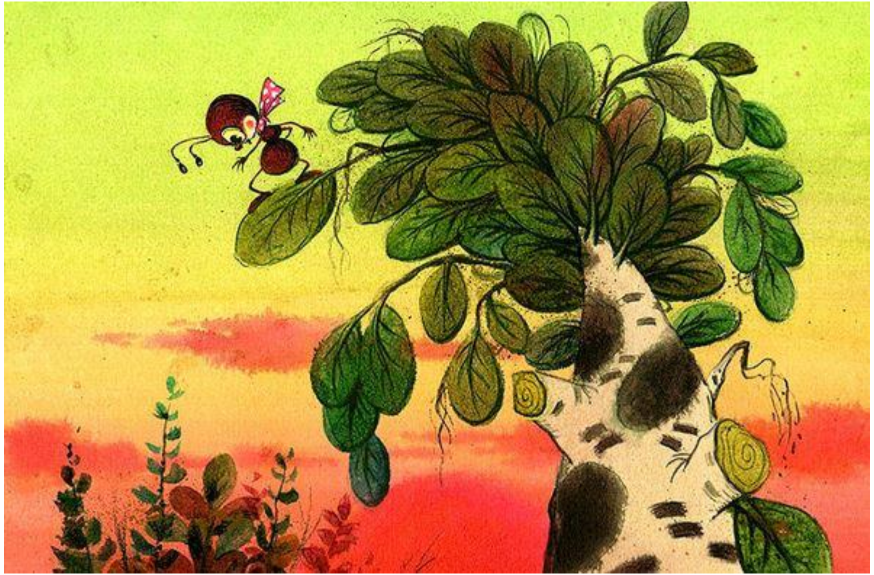


ANT HURRIES HOME

चींटी घर कैसे पहुंची

चित्र: एम. चुरिलोव

हिंदी: अरविन्द गुप्ता



Ant climbed to the very top of the birch tree and looked down. He sat down on a leaf and said to himself, "I'll rest here for a while and then climb back down again."

चींटी भोजपत्र के पेड़ के बिल्कुल ऊपर चढ़ गई और वहां से नीचे देखने लगी. वो एक पत्ते पर बैठ गई और उसने खुद से कहा, "मैं यहां थोड़ी देर आराम करूंगी और फिर वापस नीचे उतरकर जाऊंगी."



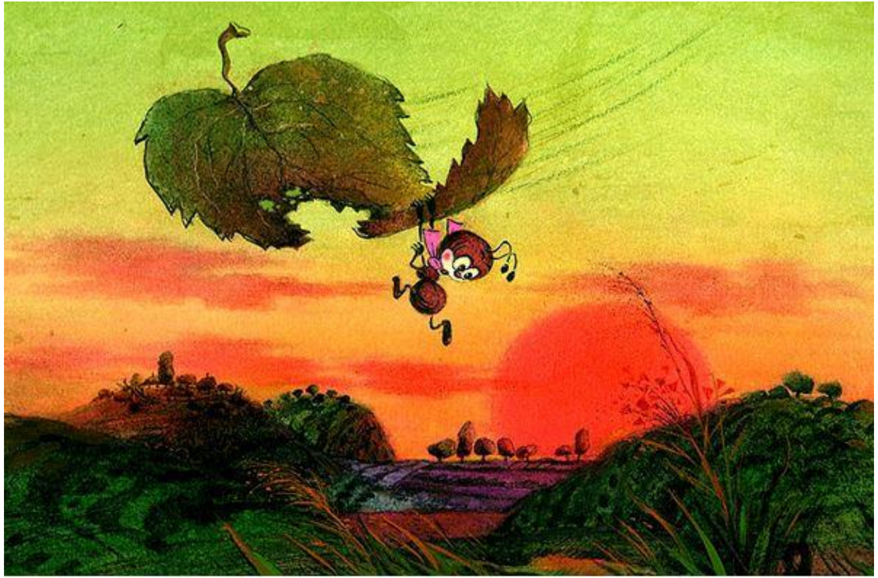
The rules of an ant family are very strict: as soon as the sun begins to set all the ants must hurry home. If an ant is late, he has to spend the night outdoors.

चींटी परिवार में नियम बहुत सख्त होते हैं: सूरज ढलने से पहले सभी चींटियों को जल्दी से घर वापिस आना होता है. यदि कोई चींटी देरी से पहुंचती है, तो उसे रात बाहर बितानी पड़ती है.



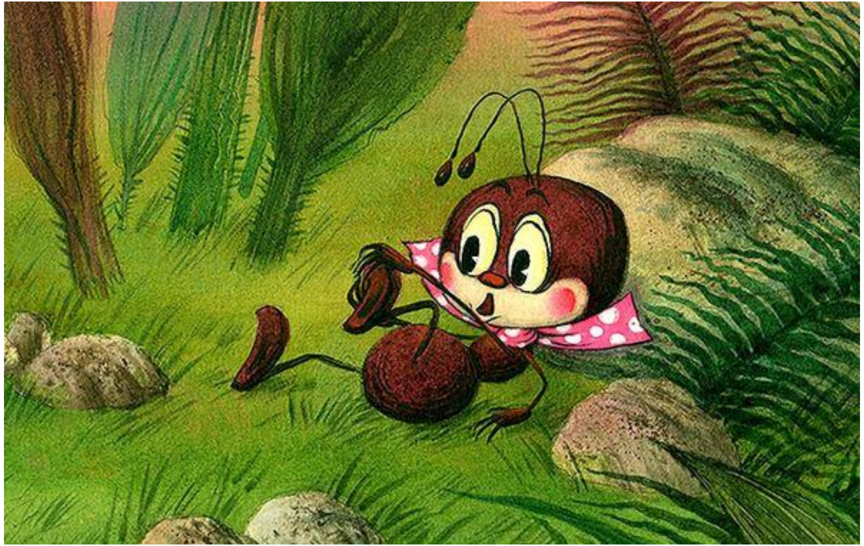
"I have plenty of time. It won't take long to run down," he said to himself.

"मेरे पास बहुत समय है. मुझे नीचे उतरने में ज़्यादा देर नहीं लगेगी," उसने खुद से कहा.



The leaf he was sitting on was yellow and dry.
A sudden gust of wind tore it off the branch and carried it over. Ant hung on to the leaf for dear life.

वो जिस पत्ते पर बैठी थी वो पीला और सूखा था.
अचानक एक हवा का झोंका पत्ते को शाखा से तोड़कर ऊपर उड़ाकर ले गया. चींटी अपने प्राण बचाने के लिए पत्ते को कसकर पकड़े रही.



The wind carried it to a meadow and there it fell, right onto a rock. The bump hurt Ant's legs. "I'll never get back home now. If my legs didn't hurt. I'd get back home in no time..."

तेज़ हवा, पत्ते को घास के मैदान में ले गई और वहाँ वो एक चट्टान पर जाकर गिरा. टक्कर से चींटी के पैरों में चोट लगी. "मैं अब कभी भी घर वापस नहीं लौट पाऊंगी. अगर मेरे पैरों में दर्द न होता तो मैं कुछ ही समय में ही घर वापस पहुँच जाती..."



Ant looked around and saw an inchworm. It had legs in front and legs in back.

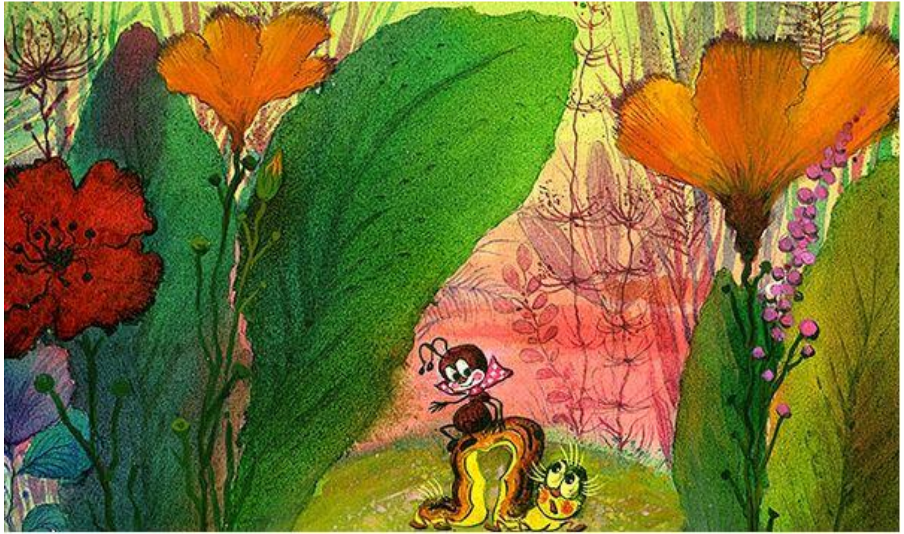
"Won't you take me home? All my legs ache," Ant said.

"All right. Get on."

चींटी ने चारों ओर देखा. उसे एक इंचवर्म दिखाई दिया. उसके कुछ पैर आगे थे और कुछ पैर पीछे थे.

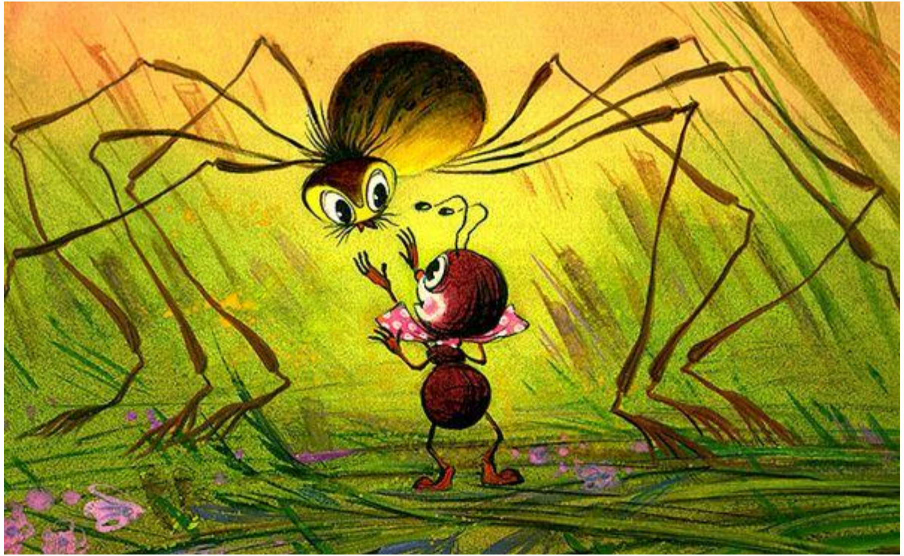
"क्या तुम मुझे घर नहीं ले जाओगे? मेरे सारे पैर दर्द कर रहे हैं," चींटी ने कहा.

"ठीक है. मेरी पीठ पर चढ़ जाओ."



Ant climbed onto Inchworm' s back. Inchworm curved his back and brought his rear legs forward. He set them down behind his front legs so that his tail was right behind his head. Then he suddenly raised his front legs off the ground and into the air. Then he flopped down. And that is how he moved forward. Meanwhile, Ant was flying up and down, up and down, legs up and head down over and over again. "I can't take this anymore! Stop or I'll bite you! "

चींटी, इंचवॉर्म की पीठ पर चढ़ गई. इंचवर्म ने अपनी पीठ मोड़ी और वो अपने पिछले पैर आगे लाया. उसने उन्हें अपने सामने के पैरों के पीछे इस प्रकार रोका जिसकी उसकी पूँछ उसके सिर के ठीक पीछे रहे. फिर उसने अचानक अपने अगले पैर ज़मीन से उठाकर हवा में उठाए. फिर वो नीचे गिरा. और इस तरह वो आगे बढ़ा. इस बीच, चींटी बार-बार ऊपर-नीचे, ऊपर-नीचे हो रही थी और उसके पैर बार-बार ऊपर-नीचे उड़ रहे थे. "मैं अब वो और बर्दाश्त नहीं कर सकती! तुम तुरंत रुको नहीं तो मैं तुम्हें काटूंगी!"



Inchworm stopped and stretched out on the ground. Ant jumped off. He could hardly catch his breath. He looked around and saw a meadow covered with mown grass. Daddy-long-legs was walking along there. His legs were like stilts and his head bobbed up and down between them. "Spider, won't you take me home? All my legs ache."

"All right, get on."

इंचवॉर्म रुक गया और फिर वो ज़मीन पर फैल गया. चींटी उछलकर उसके ऊपर से कूद गई. चींटी मुश्किल से अपनी सांस ले पा रही थी. उसने चारों ओर देखा और उसे कटी हुई घास से ढका एक घास का मैदान दिखाई दिया. डैडी-लॉन्ग-लेग्स नाम की मकड़ी अपने ऊंचे और लंबे पैरों पर वहां चल रही थी. उसके पैर ऊंचे बांसों की तरह थे और उसका सिर उनके बीच ऊपर-नीचे झुका हुआ था. "मकड़ी, क्या तुम मुझे घर नहीं ले जाओगी? मेरे सारे पैर दर्द कर रहे हैं."

"ठीक है, मेरे ऊपर चढ़ जाओ."



Ant had to climb up Spiders' leg as far as the knee, and then slide down his knee to his back. Spider began moving his stilts every which way, one here, the other there.

Ant soon got tired of this kind of a piggy-back ride. He was just getting ready to bite Spider when they reached a smooth, even path.

चींटी को मकड़ी के पैर के ऊपर घुटने तक चढ़ना था, और फिर उसके घुटने से नीचे उसकी पीठ तक सरकना था. मकड़ी ने अपने लंबे पैरों को हर तरफ हिलाना शुरू कर दिया, एक इधर, दूसरा उधर.

जल्द ही चींटी उस तरह की हलचल सवारी से थक गई. वो मकड़ी को काटने के लिए तैयार ही हो रहा थी लेकिन तभी वो एक समतल, स्थान पर पहुँचे.



Spider stopped. "Get off. See that beetle? It's much faster than I am."

मकड़ी रुक गई. "उतर जाओ. उस बीटल (भृंग) को देखो? वो मुझसे कहीं अधिक तेज़ है."



Ant got off. "Beetle, Beetle, won't you take me home? All my legs ache."

"All right, get on. You can come along for the ride."

चींटी उतर गयी. "बीटल, बीटल, क्या तुम मुझे घर नहीं ले जाओगे? मेरे सारे पैर दर्द कर रहे हैं."

"ठीक है. तुम मेरे ऊपर सवारी कर सकती हो."



No sooner had Ant scrambled onto Beetle's back, than they were off at top speed. The six-legged steed galloped along as smoothly as if it were flying. They soon reached a potato field.

जैसे ही चींटी, बीटल की पीठ पर चढ़ी, वे तीव्र गति से आगे बढ़ने लगे. छह पैरों वाली बीटल इतनी आसानी से सरपट दौड़ा मानो वो आकाश में उड़ रहा हो. वे शीघ्र ही एक आलू के खेत में पहुँचे.



"Get off. I can't manage these up-and-down rows. They're too steep for me. You'd better find another horse."

"तुम उतर जाओ. मैं आलू की ऊपर-नीचे वाली कतारों में से नहीं जा सकता. वे मेरे लिए बहुत ऊंची हैं. बेहतर होगा कि तुम अपने लिए कोई अन्य सवारी ढूंढो."



He had to get off. The potato vines might just as well have been a jungle, It would have taken him a whole day to cross the field, even if his legs did not ache. Then Ant heard a squeak: "Come on. Ant, get on my back and we'll be off! " Ant turned to see who it was. He saw a little flea. "You'll never get me off the ground. See how small you are! "

"You think you're so big? Come on, get on."

चींटी को उतरना पड़ा. आलू की बेलें शायद एक घना जंगल रही होंगी, क्योंकि उस खेत पार करने में चींटी को पूरा दिन लग जाता. लेकिन तभी चींटी ने एक आवाज़ सुनी: "आओ चींटी, मेरी पीठ पर बैठ जाओ और हम यहाँ से निकल जायेंगे!" चींटी यह देखने के लिए मुड़ी कि वो कौन है. उसने एक छोटा सा पिस्सू देखा.

"तुम मुझे लेकर कभी भी जमीन से नहीं हिल पाओगे. देखो, तुम कितने छोटे हो!"

"तुम्हें लगता है कि तुम इतनी बड़ी हो? चलो, मेरी पीठ पर चढ़ जाओ."



Ant finally managed to get himself seated on Flea's back, though his legs hung over the sides.

"Hang on."

आख़िरकार चींटी पिस्सू की पीठ पर बैठने में कामयाब हुई, हालाँकि उसके पैर दोनों ओर लटके हुए थे.

"कस के पकड़कर बैठी रहो."



Flea tucked his strong hind legs under him. When they were folded up they were just like little springs. Click! Flea hopped to the top of a row. Click! They were on another row.

"Can you hop over the fence? " Ant asked.

"No, it's too high. Ask Grasshopper. He can."

पिस्सू ने अपनी मजबूत पिछली टाँगें नीचे दबाईं. मुड़ने के बाद उसकी टांगे बिल्कुल छोटी स्प्रिंग की तरह बन गईं. फिर उछलकर पिस्सू ने आलू की पहली कतार पार की. दूसरी उछाल में उसने दूसरी कतार पार की.

"क्या तुम बाड़ को छलांग लगाकर पार कर सकते हो?" चींटी ने पूछा.

"नहीं, बाड़ मेरे लिए बहुत ऊंची है. तुम टिड्डे से पूछो. शायद वो कर पाए."



"Grasshopper, won't you take me home?
All my legs ache. "

"Get on."

"टिड्डे, क्या तुम मुझे घर नहीं ले जाओगे?
मेरे सारे पैर दर्द कर रहे हैं."

"अच्छा, मेरे ऊपर बैठ जाओ."



Ant got on Grasshopper's back.

Grasshopper folded his hind legs in half and then quickly straightened them out. This sent him high into the air. But then Grasshopper suddenly opened his wings with a great crackling sound and flew over the fence. They settled to the ground on the other side.

चींटी, टिड्डे की पीठ पर चढ़ गई.

टिड्डे ने अपने पिछले पैरों को आधा मोड़ा और फिर उन्हें तुरंत सीधा किया. इससे वो तेज़ी से हवा में ऊपर उड़ा. तभी टिड्डे ने अचानक तेज कर्कश आवाज़ के साथ अपने पंख खोले और वो बाड़ के ऊपर से उड़ गया. फिर वे बाड़ के दूसरी ओर जमीन पर आकर बैठे.



"This is as far as I'm going. You'll have to get off here."

Ant saw a river ahead. He would never be able to swim across it. The sun was much lower now.

"I can't jump across the river, either. It's too broad. But wait! I'll call Waterbug! He'll ferry you across," Grasshopper said. He made a sawing sound.

"मैं यही तक मैं जा रहा था. तुम्हें यहीं उतरना होगा," टिड्डे ने कहा.

चींटी को सामने एक नदी दिखाई दी. वो कभी भी उसे तैरकर पार नहीं कर पाएगी. सूरज अब काफी नीचे आ चुका था.

"मैं नदी के उस पार छलांग भी नहीं लगा सकती. नदी बहुत चौड़ी है. लेकिन रुको! मैं एक वॉटरबग को बुलाऊंगी! वो मुझे नदी पार करा देगा," चींटी ने कहा. फिर टिड्डे ने आरी के काटने की आवाज निकाली.



Soon a little boat on legs came gliding. When it got closer Ant saw it was not a boat at all. It was Waterbug. "Waterbug, won't you take me home? All my legs ache."

"All right, get on."

जल्द ही पैरों पर एक छोटी सी नाव सरकती हुई आई. जब चींटी उसके करीब पहुंची तो उसने देखा कि वो कोई नाव नहीं थी. वो वॉटरबग था. "वॉटरबग, क्या तुम मुझे घर नहीं ले जाओगे? मेरे सारे पैर दर्द कर रहे हैं."

"ठीक है, तुम मेरे ऊपर बैठ जाओ."



As soon as Ant had got on Waterbug' s back, he set off across the water, just as if he were walking on land. "Can't you go any faster? Please try. They won't let me in if I'm late."

"I'll try," Waterbug said and scurried along as fast as he could, shoving hard with his hind legs and then sliding along as if he were skating on ice. They reached the other bank in no time.

जैसे ही चींटी वॉटरबग की पीठ पर चढ़ी. वॉटरबग पानी को तीरती हुई ऐसे आगे बढ़ी, मानो वो जमीन पर दौड़ रही हो. "क्या आप और तेजी से नहीं जा सकते? कृपया कोशिश करें. अगर मुझे देर हो गई तो चौकीदार मुझे अपने बिल के अंदर नहीं घुसने देंगे."

"मैं कोशिश करूंगा," वॉटरबग ने कहा और फिर वो जितनी तेजी से तैर सकता था, तैरा. उसने अपने पिछले पैरों से जोर से धक्का दिया और वो फिर ऐसे फिसला मानो वो बर्फ पर स्केटिंग कर रहा हो. कुछ ही देर में वे दूसरे किनारे पर पहुंच गए.



"Can't you walk on land? "

"No. It's awfully hard, because my feet don't glide there. You'd better find yourself another horse."

"क्या तुम जमीन पर नहीं चल सकते हो?"

"नहीं. ज़मीन बहुत कठोर है, और मेरे पैर वहां नहीं फिसलेंगे. बेहतर होगा कि अब तुम अपने लिए कोई दूसरी सवारी खोजो."



Ant looked up. The sun had gone down behind the trees. Alas! He would never be home on time.

"There's a horse for you coming our way," Waterbug said. Indeed, there was big clumsy Maybug. No, that sort of a horse would never do! Still, Ant took Waterbug's advice and said, "Maybug, Maybug, won’t you take me home? All my legs ache."

चींटी ने ऊपर देखा. सूरज पेड़ों के पीछे छिप गया. अफ़सोस! वो अब समय पर घर नहीं पहुँच सकती थी.

वॉटरबग ने कहा, "हमारे रास्ते में तुम्हारे लिए एक मेबग आ रहा है." सचमुच, वो बड़ा अनाड़ी मेबग था. नहीं, उस तरह की सवारी से कभी काम नहीं चलेगा! फिर भी, चींटी ने वॉटरबग की सलाह मानी और कहा, "मेबग, मेबग, क्या तुम मुझे घर नहीं ले जाओगे? मेरे सारे पैर दर्द कर रहे हैं."



Ant climbed up Maybug's hard side.

"Where are you?"

"On your back."

"Silly! Get on my head." Ant climbed onto Maybug's head. It was a good thing he did, because a moment later Maybug's back split in two to make two hard wings that were just like two upside-down scoops. Then a pair of silky, transparent wings opened up from under them. They were longer and wider than the hard top wings.

फिर चींटी मेबग के सख्त हिस्से पर चढ़ गई.

"तुम कहां हो?"

"तुम्हारी पीठ पर."

"मूर्ख! मेरे सिर पर चढ़ो." चींटी मेबग के सिर पर चढ़ गई. उसने वो एक अच्छा काम किया, क्योंकि एक क्षण बाद मेबग की पीठ दो भागों में विभाजित हो गई और उनके दो कठोर पंख बन गए जो बिल्कुल दो उल्टे चुल्लू की तरह थे. फिर उनके नीचे से रेशमी, पारदर्शी पंखों का एक जोड़ा खुला. वे कठोर शीर्ष पंखों की तुलना में लंबे और चौड़े थे.



"Huff, huff, huff! went Maybug, puffing away as if he was starting up a motor.

"Can't you hurry, please? Please?" Maybug did not reply. He just went on huffing. Then his transparent little underwings began to move. Faster and faster they went. Zzz! Zzz! Tuck-tuck-tuck! Maybug rose straight up into the air. Ant saw the rim of the sun touching the earth. Tuck-tuck-tuck! Maybug cut through the air like a bullet.

"हफ, हफ, हफ! मेबग ऐसे फुंफकारते हुए चला मानो वो कोई मोटर चालू कर रहा हो.

"क्या आप जल्दी नहीं कर सकते, कृपया? कृपया?" मेबग ने कोई उत्तर नहीं दिया. वो बस हांफता रहा. फिर उसके पारदर्शी छोटे पंख हिलने लगे. फिर वे और भी तेजी से आगे बढ़े. ज़ज़! ज़ज़! टक-टक-टक! मेबग सीधे हवा में ऊपर उठ गया. चींटी ने देखा कि सूर्य का किनारा पृथ्वी को छू रहा था. टक-टक-टक! मेबग किसी बन्दूक की गोली की तरह हवा में उड़ा.



Then there was the birch tree and the anthill at its foot. Maybug turned off his motor and plopped down on one of the branches.

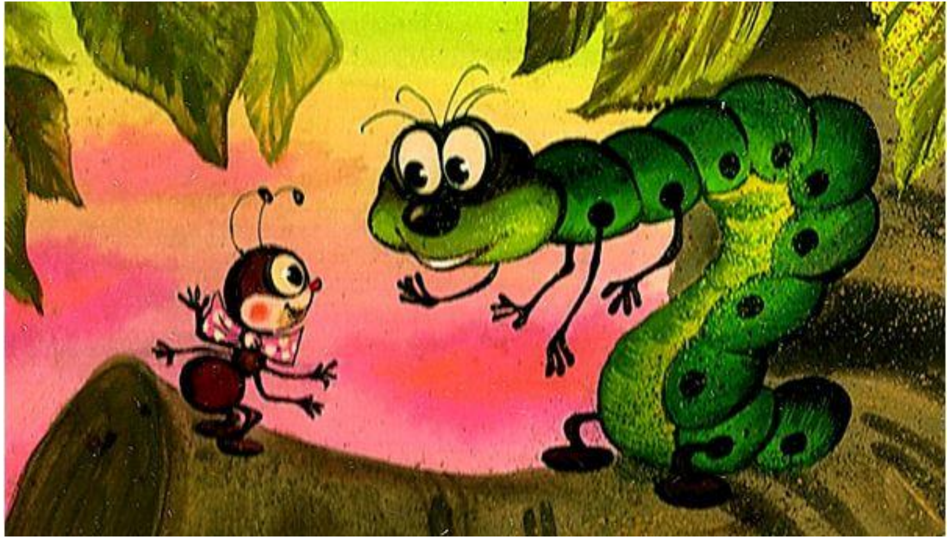
"How will I get down? My legs ache. I'll surely break my neck."

He said, "I'm not going to take you down. You ants bite too hard. So you'd better manage as best as you can."

फिर वहाँ भोजपत्र का पेड़ और उसके तल पर चींटी का बिल था. मेबग ने अपनी मोटर बंद कर दी और वो एक शाखा पर गिर पड़ा.

"मैं यहाँ से कैसे नीचे उतरूंगी? मेरे पैर दर्द कर रहे हैं. निश्चित रूप से मेरी गर्दन टूट जाएगी."

मेबग ने कहा, "मैं तुम्हें नीचे लेकर नहीं जाऊंगा. तुम चींटियां बहुत जोर से काटती हो. इसलिए बेहतर होगा कि तुम नीचे जाने का खुद प्रबंध करो."



Ant looked around, but all he saw were leaves and branches. He would never reach home in time. And he couldn't dive down!

Suddenly he saw Caterpillar on a leaf close by, spinning a silken thread and winding it around a little twig. "Caterpillar, won't you help me get down? I'll have to spend the night outdoors if I'm late."

"Don't bother me. Can't you see I'm busy?"

चींटी ने चारों ओर देखा, लेकिन उसे केवल पत्तियाँ और शाखाएँ ही दिखाई दीं. वो कभी भी समय पर घर नहीं पहुंच पाएगी. और वो शाख से नीचे कूद भी नहीं सकती थी!

अचानक उसने पास के एक पत्ते पर कैटरपिलर (इल्ली) को देखा, जो एक रेशमी धागे को घुमाकर बुन रहा था और उसे एक छोटी सी टहनी के चारों ओर लपेट रहा था. "कैटरपिलर, क्या तुम मुझे नीचे उतरने में मदद नहीं करोगे? अगर मुझे देर हो गई तो मुझे बाहर रात बितानी पड़ेगी."

"मुझे परेशान मत करो. क्या तुम नहीं देख सकती हो कि मैं कितना व्यस्त हूं?"



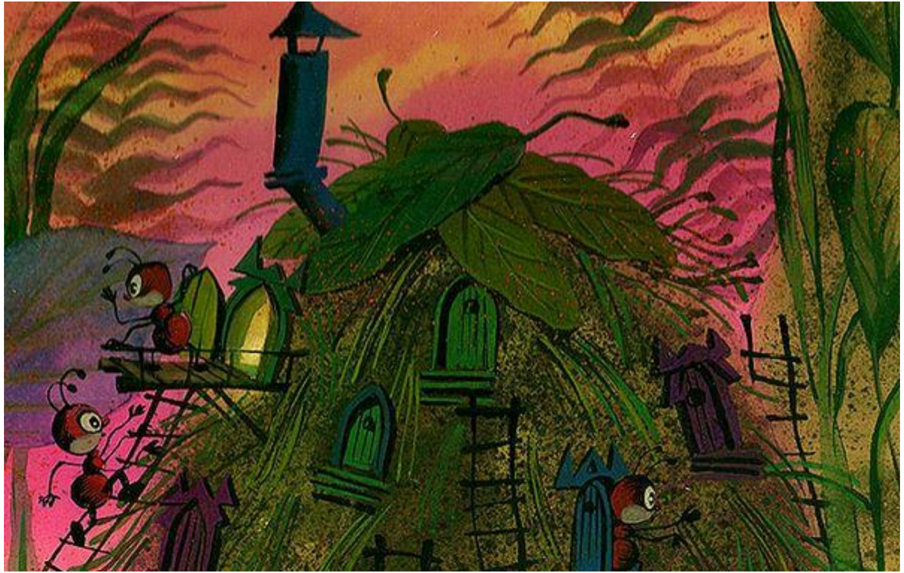
"Everyone helped me. No one chased me away. You're the only one who doesn't want to." At this Ant jumped at Caterpillar and bit him.

"सभी ने मेरी मदद की. किसी ने मुझे इस तरह भगाया नहीं. केवल तुम ही एक ऐसे हो जो मेरी मदद करने से इनकार कर रहे हो." उसके बाद चींटी कैटरपिलर पर झपटी और उसने उसे काट लिया.



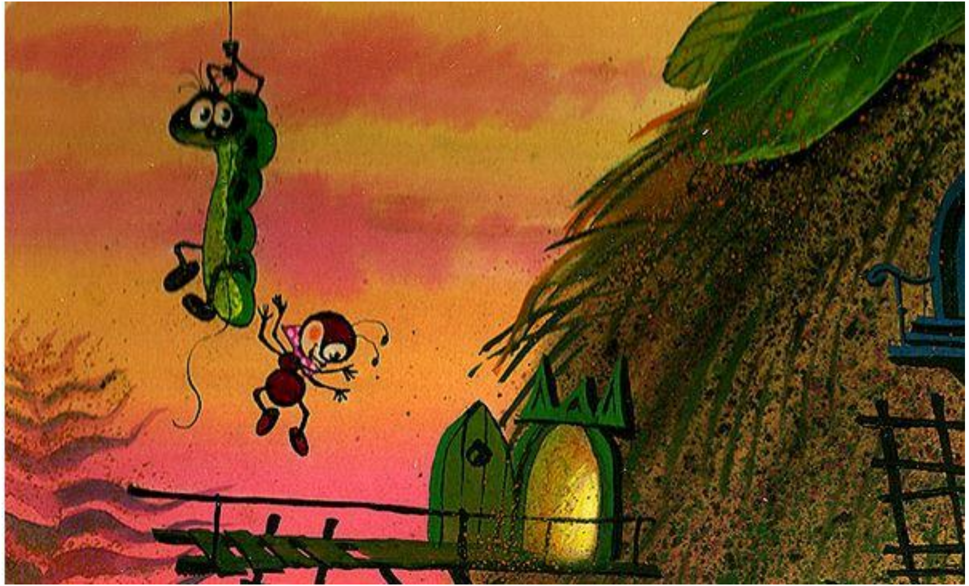
Caterpillar was taken by surprise. He curled up and rolled off the leaf. Ant held on tight. They didn't fall far, because something jerked and held them. The thread was attached to a twig high above them. Ant and Caterpillar swung back and forth and the thread kept getting longer and longer, stretching, yet never tearing.

कैटरपिलर आश्चर्यचकित रह गया. वो मुड़ा और पत्ते से लुढ़क गया. चींटी ने उसे कसकर पकड़ लिया. वे ज़्यादा नीचे नहीं गिरे, क्योंकि किसी चीज़ ने झटका देकर उन्हें थाम लिया था. वो कैटरपिलर का रेशमी धागा था अभी भी ऊपर एक टहनी से जुड़ा हुआ था. चींटी और कैटरपिलर आगे-पीछे घूमते रहे और धागा लंबा और लंबा होता गया, खिंचता गया, फिर भी वो टूटा नहीं.



Meanwhile, all the ants in the anthill were busy covering up the entrances to their tunnels.

इस बीच, बिल की सभी चींटियाँ अपनी सुरंगों के प्रवेश द्‌वारों को ढकने में व्यस्त थीं.



Soon all but one were closed.

Ant scrambled off Caterpillar and dashed inside.

जल्द ही उन्होंने एक द्वार को छोड़कर बाकी सभी दरवाजे बंद कर दिए.

चींटी, कैटरपिलर से फिसलकर उस खुले दरवाज़े में से बिल के अंदर घुस गई.



At that very moment the sun set.

उसी क्षण सूर्य अस्त हो गया.